NP – 034

I Semester B.C.A./B.Sc. (FAD) Examination, May 2022
(NEP – 2021-22 and Onwards)
HINDI
Nibandh, Alekhan Aur Sankshepan

N.L.E. Society's Degree College HANAGAL 500 077

Time : 2½ Hours Max. Marks : 60

I. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर **एक** शब्द या वाक्य में लिखिए । (10×1=10)

1) जीवन का उद्देश्य क्या है ?
2) निरीह जानवर कौन–सा है ?
3) अलोपी महीने भर में कितने रुपये कमा लेता था ?
4) व्यंग्य को मुहावरे में क्या कहते है ?
5) विशाला नगरी किसके द्वारा स्थापित की गई ?
6) साहित्य किसका आधार है ?
7) अहंकार को कौन पालता है ?
8) मृत्यु का प्रलोभन किसकी परीक्षा है ?
9) ''पीछे मत फेंकिये'' निबंध के रचनाकार का नाम लिखिए ।
10) मित्र–दोस्त से बात करते समय घड़ी का मुँह किस तरफ कर देना चाहिए ?

II. किन्हीं **दो** अवतरणों की ससंदर्भ व्याख्या कीजिए । (2×7=14)

1) इतिहास भविष्य के निर्माण की, मनुष्य की दुर्दांत विजिगीषा की, अस्थिरता के पोषक तत्वों को उन्मूलन करने की लालस है ।
2) साहित्य का विकास मनोभावों से होता है ।
3) संसार को प्रपंच कहना, एक ही सत्ता का अस्तित्व देखना, एक ही भाव के लिए सबको अभिमुख और आकुल देखना–सब भ्रम जाल है ।

III. किसी **एक** प्रश्न का उत्तर लिखिए । (1×16=16)

1) 'अलोपी' निबंध का सारांश लिखकर विशेषताओं पर प्रकाश डालिए ।
2) 'जीवन में साहित्य का स्थान' निबंध के आधार पर जीवन और साहित्य के संबंध का परिचय दीजिए ।

P.T.O.

IV. किसी एक पर टिप्पणी लिखिए । (1×5=5)

1) दिल्ली के बादशाह का वजीर ।

2) वज्जी लोगों के लिए बुद्ध के सात मंत्र ।

V. किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लिखिए । (2×4=8)

1) टिप्पण लेखन की प्रक्रिया पर प्रकाश डालिए ।

2) आलेखन की विशेषताओं पर एक लेख लिखिए ।

3) अपने क्षेत्र में आयोजित रक्त-दान शिबिर पर एक प्रतिवेदन/रिपोर्ट तैयार कीजिए ।

VI. निम्नलिखित गद्यांश का उचित शीर्षक लिखते हुए **एक** तिहाई शब्दों में संक्षेपण कीजिए । (1×7=7)

सामान्यत: संस्कृति और सभ्यता को एक ही मान लिया जाता है दोनों में नि:संदेह घनिष्ठ संबंध है । उनकी एक दूसरे पर प्रतिक्रिया होती है । सभ्यता भौतिक उन्नति का द्योतक है । दूसरी ओर सुसंस्कृत मनुष्य की सभ्यता दूसरे से भिन्न है । सभ्यता मनुष्य की भौतिक आवश्यकताएँ पूर्ण करने के यत्न का परिणाम है, जबकि संस्कृति बौद्धिक उन्नति के प्रयत्नों से विकसित होती है । जैसा कि ऊपर कहा जा चुका है, संस्कृति मनुष्य के मन और आत्मा के सुसंस्कार या परिष्कार को कहते है । अतएव वह अन्तर्मुखी है । वह रुचि, दृष्टिकोण और आचार के द्वारा व्यक्त होती है । दूसरी ओर सभ्यता बहिर्मुखी और भौतिक है । वह उन भौतिक आयोजनों और साजसज्जा से संबंध रखती है । जिसको मनुष्य ने प्रकृति की शक्तियों पर विजय पाने के लिए और इस प्रकार मानव जीवन को सुविधापूर्ण तथा सुखमय बनाने के लिए विकसित किया है । उसमें आदिम मनुष्य के पत्थर के औजारों से लेकर आधुनिक स्पुतनिक तक शामिल है ।